‘नए भारत का नया उत्तर प्रदेश’ नव-निर्माण के मंत्रद्रष्टा योगी आदित्यनाथ

उत्तर-प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल के छह महीने पूर्ण कर लिए हैं। राज्य के राजनीतिक इतिहास में लगभग साढ़े तीन दशक के पश्चात किसी दल को दोबारा सत्ता में लाने का इतिहास रचने वाले योगी आदित्यनाथ ने अपने मुख्यमंत्रित्व कार्यकाल के दौरान बड़े धैर्य एवं साहस के साथ अनेक चुनौतियों का सामना किया। उन्हें जहां विरोधियों का प्रहार, आरोप-प्रत्यारोप एवं बुल्डोजर से मकान तोड़ने जैसे प्रकरणों का सामना करना पड़ा, वहीं अपनी जन हितैषी नीतियों से उन्होंने जनता का समर्थन एवं आशीर्वाद भी प्राप्त किया। उन्होंने आजमगढ़ एवं रामपुर लोकसभा क्षेत्र से उपचुनाव में विजय प्राप्त कर यह सिद्ध कर दिया कि वह वर्ष 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए पूर्ण रूप से तैयार हैं तथा विजयश्री प्राप्त करने के लिए समर्थ भी हैं।

वास्तव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भाजपा की रीतिनीति के अनुसार हिंदुत्व की छवि को सुदृढ़ करने का निरंतर प्रयास कर रहे हैं। प्राचीन शहरों के नाम परिवर्तित करना तथा काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का लोकार्पण इसके उदाहरण हैं। अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के मंदिर के निर्माण का कार्य चल रहा है। सरकार नमामि गंगे योजना के अंतर्गत गंगा को स्वच्छ एवं निर्मल करने पर विशेष बल दे रही है। गंगा का प्रदूषण कम करने के लिए स्मार्ट गंगा सिटी परियोजना पर कार्य चल रहा है। योगी सरकार ने राज्य में पर्यटन विशेषकर धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा दिया है। राज्य में गौ संरक्षण और संवर्धन के लिए मुख्यमंत्री निराश्रित गौवंश सहभागिता योजना प्रारम्भ की गई है।

राज्य में बेघरों को आवास देने के लिए उत्तर प्रदेश आवास विकास योजना प्रारम्भ की गई। निर्धन परिवारों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना आरम्भ की गई। प्रवासी श्रमिकों को रोजगार देने के लिए आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश रोजगार अभियान प्रारम्भ किया गया। बेरोजगारों को स्वरोजगार के लिए ऋण उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना आरम्भ की गई। बेरोजगार युवाओं को प्रशिक्षण दिलाने के लिए उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन तथा मुख्यमंत्री शिक्षुता प्रोत्साहन योजना प्रारम्भ की गई। राज्य के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना प्रारम्भ की गई। बेरोजगार युवाओं को बेरोजगारी भत्ता प्रदान करने के लिए उत्तर प्रदेश बेरोजगारी भत्ता नामक योजना आरम्भ की गई। राज्य के श्रमिकों को सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ देने के लिए श्रमिक पंजीकरण योजना प्रारम्भ की गई। श्रमिकों के भरण पोषण के लिए राज्य में श्रमिक भरण पोषण योजना आरम्भ की गई है। इसके साथ ही राज्य की समृद्धि के लिए उद्योगों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

योगी सरकार ने कृषि क्षेत्र पर भी विशेष ध्यान दिया है। राज्य में जैविक खेती को प्रोत्साहन देने के लिए परम्परागत खेती विकास योजना चलाई जा रही है। खेतों को पर्याप्त सिंचाई जल उपलब्ध कराने के लिए उत्तर प्रदेश नि :शुल्क बोरिंग योजना तथा उत्तर प्रदेश किसान उदय योजना संचालित की जा रही

है। इनके अतिरिक्त बीज ग्राम योजना के अंतर्गत किसानों को धान एवं गेहूं के बीज पर विशेष अनुदान दिया जा रहा है। पारदर्शी किसान सेवा योजना के अंतर्गत किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। मुख्यमंत्री किसान एवं सर्वहित बीमा योजना के अंतर्गत किसानों को समुचित उपचार की सुविधा प्रदान की जा रही है। किसानों को ऋण के बोझ से मुक्त करने के लिए किसान ऋण मोचन योजना प्रारम्भ की गई। मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अंतर्गत किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है।

राज्य में अनाथ बच्चों को आसरा देने के लिए मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना प्रारम्भ की गई। महिला सशक्तिकरण के लिए भी सरकार अनेक योजनाएं चला रही है। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के अंतर्गत निर्धन परिवारों की पुत्रियों को शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। उत्तर प्रदेश भाग्यलक्ष्मी योजना के अंतर्गत पुत्री की शिक्षा और विवाह के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। इसके अतिरिक्त लोगों को घर बैठे बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए बैंकिंग संवाददाता सखी योजना प्रारम्भ की गई है। इससे जहां लोगों को घर पर बैंकिंग सुविधाएं प्राप्त हो रही हैं, वहीं महिलाओं को भी रोजगार प्राप्त हुआ है।

राज्य में अनेक पेंशन योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनमें उत्तर प्रदेश पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना तथा उत्तर प्रदेश दिव्यांगजन पेंशन योजना सम्मिलित हैं। सरकार लड़कियों और दिव्यांगों के विवाह के लिए अनुदान प्रदान कर रही है। उत्तर प्रदेश विवाह अनुदान योजना के अंतर्गत लड़कियों के विवाह के लिए सरकार द्वारा अनुदान प्रदान किया जाता है। दिव्यांगजन विवाह प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत दिव्यांगजनों के विवाह लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

योगी सरकार शिक्षा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य कर रही है। राज्य में विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं व्यवसायिक प्रशिक्षण केंद्रों एवं उनके नये भवनों की स्थापना की जा रही है। गोरखपुर में आयुष विश्वविद्यालय का निर्माण किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है। उच्च शिक्षा में 119 राजकीय महाविद्यालयों में ई-लर्निंग पाठ्यक्रम विकसित किए गए हैं तथा 87 राजकीय महाविद्यालयों में स्मार्ट कक्षाओं की व्यवस्था की गई है, जबकि राज्य के 27 विश्वविद्यालयों द्वारा राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों के साथ 111 अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इसके अतिरिक्त 26 नये सरकारी पॉलिटेक्निक स्वीकृत किए गए हैं, जबकि 24 निर्माणाधीन हैं।

पिछले पांच वर्षों में राज्य में आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में सबसे अधिक 94,632 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। पिछले साढ़े पांच वर्ष में योगी सरकार ने 4.68 लाख करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें से 3.82 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं। योगी सरकार के द्वितीय कार्यकाल में रोजगार मेलों के माध्यम से 93 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार प्राप्त हुआ है। सरकार ने अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाले और विभिन्न विभागों में 24 पदों की पहचान करने वाले खिलाड़ियों को राजपत्रित अधिकारी बनाने का भी निर्णय लिया है। एक जिला एक खेल योजना के अंतर्गत प्रत्येक जिले में खेलो इंडिया सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं। राज्य में खेलो इंडिया की पंद्रह परियोजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी योगी सरकार सराहनीय कार्य कर रही है। राज्य के सभी 4600 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में हेल्थ एटीएम लगाए जा रहे हैं। राज्य के 65 जिलों में चिकित्सा महाविद्यालय चल रहे हैं, जबकि गोरखपुर और रायबरेली में एम्स चल रहे हैं। इसके अतिरिक्त आयुष्मान कार्ड के माध्यम से राज्य के 6.51 करोड़ लोगों को 5 लाख रुपये तक के स्वास्थ्य बीमा के अंतर्गत लाया गया है।

योगी सरकार सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी गंभीर है। महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने के लिए सेफ सिटी योजना प्रारम्भ की गई है। विद्युत क्षेत्र में भी योगी सरकार उत्कृष्ट कार्य किया है। परिवहन के क्षेत्र में भी सरकार ने सराहनीय कार्य किए हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिना किसी भेदभाव के कार्य किए, जिससे लोगों में सरकार के प्रति सकारात्मक संदेश गया। योगी सरकार ने धार्मिक स्थलों पर लगे लाउडस्पीकरों को उतरवाया। साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपराधियों, भू माफ़ियों को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध तत्काल कार्रवाई का आदेश देकर यह सिद्ध कर दिया है कि सरकार सभी के लिए सब एक सामान हैं। यदि कोई अपराध करेगा, तो उसे संवैधानिक कार्यवाही का सामना करना ही पड़ेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कहना है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में हर क्षेत्र में 'नए भारत का नया उत्तर प्रदेश' नव-निर्माण की स्वर्णिम पटकथा लिख रहा रहा है। वह यह भी कहते हैं कि 'सबका साथ-सबका विकास' का ध्येय लिए यह डबल इंजन की भाजपा सरकार है, जो कहेगी, वह करेगी। वह कहते हैं कि मातृशक्ति को 'अपने सदन' से 'संवैधानिक सदन' तक सम्मान, सुरक्षा, सहयोग व पूर्ण अवसर प्रदान करती उत्तर प्रदेश सरकार के युगांतरकारी 180 दिन 'सुशासन' के उत्कृष्ट मानक हैं। प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में 'नया उत्तर प्रदेश' देश की 'आधी आबादी' का 'ड्रीम डेस्टिनेशन' बनने की ओर बढ़ चला है।

नि :संदेह उत्तर प्रदेश में योगी श्री आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री का पदभार ग्रहण करने के पश्चात राज्य में विकास कार्यों की गंगा बहा दी है।

(लेखक- मीडिया शिक्षक एवं राजनीतिक विश्लेषक है)